लेखकों के लिए अनुदेश

1. *सामान्य* – 'मौसम' पत्रिका में लेख, विस्तृत शोध पत्र, सक्षिप्त शोध पत्र, पत्र, समीक्षात्मक लेख हिन्दी और अंग्रजी में प्रकाशित किए जाते हैं। लेखक केवल अपने शोध संबंधी मौलिक लेख ही ''मौसम'' में प्रकाशनार्थ भेजें। अन्यत्र प्रकाशनार्थ स्वीकृत किए गए या पहले से प्रकाशित अथवा प्रस्तुत/निवेदित लेख की पाँडुलिपि प्रकाशन के लिए न भेजें।
2. *पाँडुलिपि* – लेखक अपने शोध पत्र की सोफ्टकॉपी (सी. डी. या ई. मेल द्वारा), कृपया ई. मेल द्वारा भेजने को प्राथमिकता दें – **mausamps@gmail.com** व पाँडुलिपि की दो प्रतियाँ संपादक को भेजें। पाँडुलिपि तैयार करते समय घ्यान रखें कि कागज पर चौड़ा हाशिया छोड़कर सतत लाइन नंबर के साथ कागज के एक ओर दोहरे स्पेस पर स्वच्छ रूप से टंकित पाँडुलिपि में पृष्ठ संख्या क्रम से अंकित होनी चाहिए।
3. *विषयवस्तु* – शोध पत्र/संक्षिप्त शोध पत्र की पाँडुलिपि में शीर्षक (आरम्भ में तथा अंत में); लेखक (लेखकों) का (के) नाम (स्पष्ट अक्षरों में); पता (बड़े व छोटे अक्षरों में); सार (अंग्रेजी और हिन्दी में, अधिक से अधिक 300/100 शब्द); मुख्य शब्द (अधिक से अधिक दस शब्द); मूल पाठ प्रत्येक खंड़ के शीर्षक और उपशीर्षक सहित जैसे – भूमिका, आँकड़े, वर्गीकरण, परिणाम और चर्चा, निष्कर्ष, आभार और यदि कोई परिशिष्ट हो तो यथा स्थान पर देने चाहिए। ''पत्र'' के मूल पाठ में शीर्षक/उपशीर्षक नही लिखने चाहिए।
4. *संदर्भग्रंथ* – लेख के मूल पाठ में उद्धत किए गए सभी संदर्भ की पूरी सूची वर्णानुक्रम में शोध–पत्र के अंत में दी जानी चाहिए (लेखक का नाम) पहले उपनाम फिर नाम; प्रकाशन का वर्ष, शोध–पत्र का शीर्षक (उल्टे अल्प विराम चिन्हों से घिरा हुआ) खंड संख्या और पृष्ठ संख्या सहित पत्रिका का प्रचलित संक्षिप्त नाम, उदाहरण : सूद, वाई. सी., लाओ, के. एम., वॉकर, जी. के. एवं किम, जे. एच., 1995, ''अंडरस्टेंडिंग बायोस्फेयर प्रेसिपिटेशन रिलेशनसिप : थ्योरी, मॉडल सिमुलेशन्स एन्ड लॉजीकल इंफ्रेन्सिज'', मौसम, **46**, 1, पृ. 1–14।
5. *सारणियाँ* – सभी सारणियाँ शोध-पत्र के अंत में अलग पृष्ठ पर दी जाए। सारणियों में खाने (बाक्स) न बनाएँ। सारणियों के संबंध में दिया गया विवरण संक्षिप्त होना चाहिए। सारणियों के संबंध में विवरण यदि विस्तार से देना हो तो उसे शोध-पत्र के मूल पाठ में दिया जाए।
6. *चित्र* – 0.2 नं. पैन से अच्छे किस्म की ट्रेसिंग पेपर पर इंडियन इंक से रैखिक आरेख (लाइन डाईग्राम्स), स्वच्छता पूर्वक बनाने चाहिए। चित्रों पर लिखे गए अंग्रजी के अक्षर बड़े और छोटे होने चाहिए (सभी अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में न हो)। शोध–पत्र से संबंधित यदि कोई मानचित्र है तो उसमें भौगोलिक सीमाएँ ही दर्शाई जाएँ, अंतराष्ट्रीय सीमाएँ नही। चित्र वाले कागज का आकार पत्रिका के पृष्ठ के आकार से किसी भी हालत में दोगुने से अधिक नही होना चाहिए ताकि उसको छोटा करके एक पृष्ठ (16 से. मी. या 8 सें. मी) के आकार का किया जा सके। सभी चित्रों के संबंध में विवरण एक अलग पृष्ठ पर दिया जाए। विवरण सक्षिप्त होने चाहिए। चित्रों के संबंध में विवरण यदि विस्तार से देना हो तो उसे शोध–पत्र के मूल पाठ में दिया जाए।
7. *फोटोग्राफ* – फोटोग्राफ श्रेष्ठ किस्म के ग्लॉसी प्रिंट में तैयार किए जाने चाहिए, जिसमें काले ओर सफेद अथवा रंगीन भाग स्पष्ट रूप से देखे जा सकें।
8. *हिन्दी में शोध पत्र* – यदि शोध–पत्र हिन्दी में लिखा गया हो तो शोध–पत्र के सार के हिन्दी पाठ के साथ साथ लेखक को उसका एक अंग्रेजी पाठ भी भेजना चाहिए। सभी सारणियों और चित्रों के सक्षिप्त विवरण और शीर्षक द्विभाषी हों।
9. *विविध* – शोध पत्र में केवल प्रचलित मानक संक्षिप्त रूप ही प्रयोग किए जाएँ। साधारणतय महीनों के नाम पूरे दिए जाएँ, किन्तु उन्हे जनवरी, फरवरी, मार्च आदि जैसे अंग्रेजी के तीन अक्षरों में भी लिखा जा सकता है। हिन्दी में 23 जनवरी को 23 जन. लिखा जाए। समय इस प्रकार लिखा जाए; 0300 यू. टी. सी. अथवा 0830 बजे (भा. मा. स.)। शोध पत्र में केवल प्रचलित मानक संक्षिप्त रूपों का ही प्रयोग किया जाए, उदाहरणार्थ : है. पा. (मिलीबार नही), यू. टी. सी. (जी. एम. टी. नही)।
10. मौसम में छपे शोध–पत्र की सॉफ्टकॉपी (पी.डी.एफ. फॉर्मेट) पत्रव्यवहारी लेखक को ई–मेल द्वारा भेजी जाती है। रीप्रिंट्स (Reprints) की हार्ड कॉपी नही भेजी जाएगी।
11. लेखकों से अनुरोध है कि वे पाँडुलिपियाँ तैयार करते समय अत्यंत सावधानी बरतें ताकि प्रूफ रीडिंग के स्तर पर कोई संसोधन न करना पड़े। लेखकों से यह भी अनुरोध है कि वे इस बात का ध्यान रखें कि असावधानीपूर्वक तैयार की गई पाँडुलिपियाँ संपादक, समीक्षक और पाठकों का समय नष्ट करने के साथ–साथ तैयार किए गए कार्य की वैज्ञानिक वैधता के विरूद्ध पूर्वाग्रह उत्पन्न करती है।
12. ''मौसम'' में प्रकाशित लेखों के लेखकों द्वारा उनमें दिए गए विवरणाों और विचारों के लिए वे स्वंय उत्तरदायी होगें। शोध–पत्रों में लेखकों द्वारा दिए गए विवरणों और विचारों के लिए संपादक और मौसम विज्ञान के महानिदेशक उत्तरदायी नही होंगें।

अंशदाताओ के लिए सूचना

''मौसम'' के लिए वार्षिक अंशदान, उसके मूल्य की धनराशि **''प्रशासनिक अधिकारी (डी. डी. ओ)''**, मौसम विज्ञान के महानिदेशक का कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, लोदी रोड़, नई दिल्ली–110 003; को डिमांड ड्राफ्ट द्वारा भेजी जाए जो दिल्ली या नई दिल्ली के किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक में देय हो।

पत्र व्यवहार का पता

संपादक,
''मौसम''
भारत मौसम विज्ञान विभाग,
मौसम भवन, लोदी रोड़,
नई दिल्ली – 110 003 (भारत)
दूरभाष : 24651287, 43824298, 43824522 टैलीफैक्स : 91–11–2469 9216 और 91–11–2462 3220
ई. मेल : mausamps@gmail.com